नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत की अहम होती भूमिका

दुनिया इस समय गहरे भू-राजनीतिक संक्रमण के दौर से गुजर रही है. यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व का तनाव, महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा और आर्थिक अस्थिरता ने वैश्विक व्यवस्था को असमंजस की स्थिति में खड़ा कर दिया है. ऐसे समय में नई दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 केवल एक कूटनीतिक सम्मेलन नहीं, बल्कि वैश्विक चिंतन का मंच बन गया है. इसके उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए. प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत ही उस संदेश से की जो आज की दुनिया के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है, 'यह युग युद्ध का नहीं है.' यह वाक्य पिछले कुछ वर्षों में भारत की विदेश नीति का केंद्रीय सूत्र बन चुका है. यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक फैले संघर्षों की ओर संकेत करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि रणभूमि स्थायी समाधान नहीं देती. संवाद, कूटनीति और सहयोग ही वह रास्ता है जो मानवता को विनाश से बचा सकता है.

यह संदेश केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि उस देश की आवाज है जिसने स्वयं को वैश्विक शक्ति-संतुलन के बीच एक जिम्मेदार मध्यस्थ के रूप में स्थापित किया है.रायसीना डायलॉग में प्रधानमंत्री के भाषण का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू ग्लोबल साउथ का मुद्दा रहा. पिछले कुछ वर्षों में भारत ने विकासशील देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाने का प्रयास किया है. जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भी भारत ने अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनवाकर यह संदेश दिया था कि वैश्विक व्यवस्था अब केवल पश्चिमी शक्तियों के इर्द-गिर्द नहीं घूम सकती. रायसीना मंच से प्रधानमंत्री ने कहा कि ग्लोबल साउथ अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनना चाहता है. यह बयान उस बदलते शक्ति संतुलन को रेखांकित करता है जिसमें भारत स्वयं को एक सेतु और नेतृत्वकर्ता दोनों के रूप में देखता है.

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में तकनीक और मानवता के संबंध पर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल क्रांति के युग में उन्होंने चेतावनी दी कि तकनीक का इस्तेमाल मानव कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि संघर्ष और नियंत्रण के नए औजार के रूप में. भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल,जिसमें आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं का विशाल नेटवर्क शामिल है, आज कई देशों के लिए प्रेरणा बन चुका है. एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा वैश्विक संस्थाओं के सुधार का रहा. संयुक्त राष्ट्र और उससे जुड़ी संस्थाओं की संरचना आज भी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करती है. प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना 20 वीं सदी के ढांचे से नहीं किया जा सकता. यह टिप्पणी सीधे तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और भारत की स्थायी सदस्यता की मांग की ओर संकेत करती है.

प्रधानमंत्री के भाषण का अंतिम और शायद सबसे व्यापक संदेश 'विश्व-मित्र भारत' की अवधारणा रहा. भारत ने स्वयं को किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनने के बजाय एक ऐसे देश के रूप में प्रस्तुत किया है जो संवाद, सहयोग और संतुलन की राजनीति में विश्वास रखता है. यही कारण है कि भारत एक ओर अमेरिका और यूरोप के साथ रणनीतिक साझेदारी विकसित करता है, तो दूसरी ओर रूस, पश्चिम एशिया और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भी अपने संबंध मजबूत रखता है. दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श का सक्रिय निर्माता बन चुका है. जाहिर है तेजी से बदलती दुनिया में भारत की यही भूमिका आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है.

जॉर्ज, शरद, लालू और अब समाजवादी नीतीश

बिहार की राजनीति के केंद्र में लगभग दो दशक रहने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विधानमंडल राजनीति का अंत हो गया है. इसके साथ ही देश की राजनीति के सबसे प्रमुख राज्यों में अब एक नए अध्याय की शुरूआत होने जा रही है. हालांकि इस समापन को विधानसभा चुनाव के पहले महसूस किया जा रहा था लेकिन यह फैसला भी चुनाव के चौंकाने वाले परिणामों की तरह ही सामने आया. 2005 से 2026 तक लगातार बिहार की कमान संभालने वाले नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री का रिकॉर्ड रचने के चार माह बाद गुरुवार सुबह भाजपा के चाणक्य अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन भर दिया.

बिहार में नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत

इस लिया को वीक नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड पर नियंत्रण करने के लिए जॉर्ज फर्नांडिस और शरद यादव जैसे दिग्गज समाजवादियों को साइडलाइन किया था. दरअसल, जनता दल (यूनाइटेड) की स्थापना 30 अक्टूबर, 2003 को हुई थी, जो जनता दल के शरद यादव के गुट,

जॉर्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली समता पार्टी और लोक शक्ति पार्टी के मर्जर से बनी थी. इस मर्जर ने बिहार में लालू प्रसाद यादव के विरोधी खेमे को मजबूत किया और नीतीश कुमार के समाजवाद, पिछड़ी जातियों की लामबंदी और गवर्नेंस में सुधार के वादों पर आधारित एक क्षेत्रीय ताकत के रूप में उभरने का रास्ता बनाया.

एनडीए बगैर ज्यादा दिन नहीं रहे

यहां यह याद रखना जरूरी है कि 2014 में, नीतीश कुमार ने कुछ समय के लिए खुद को नरेंद्र मोदी के नेशनल विकल्प के तौर पर पेश करने की कोशिश की थी. लेकिन, जैसे ही हिंदुत्व की राजनीति की लहर तेज हुई, उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव किया और यह नतीजा निकाला कि बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन से लंबे समय तक बाहर रहना राजनीतिक रूप से समझदारी नहीं होगी. राष्ट्रीय जनता दल के साथ महागठबंधन के साथ कुछ समय के प्रयोग करने के बाद, वह जुलाई 2017 में एनडीए में वापस आ गए. 2022 में विपक्षी खेमे में जाने के बाद के सालों में उनके गठबंधन बदलते रहे, और जनवरी 2024 में फिर से बाहर निकल गए, यह कहते हुए कि यह व्यवस्था टिकने लायक नहीं है.

सुशासन बाबू की छवि

दस बार के मुख्यमंत्री ने सुशासन बाबू की इमेज बनाई थी. एक ऐसे नेता जो गवर्नेंस में सुधार और प्रशासनिक क्षमता से जुड़े थे. हालांकि, हाल के सालों में वह इमेज धुंधली होने लगी. राजनीतिक हलकों में नीतीश कुमार की गिरती सेहत के बारे में कानाफूसी बढ़ रही थी, कुछ लोगों का कहना है कि उनकी बिगड़ती हालत ने उनके पद छोड़ने के फैसले में भूमिका निभाई है.

अनधिकृत भाजपा में विलय

हाल ही में हुए बिहार चुनावों के दौरान, यह साफ था कि बीजेपी ने जेडीयू को अपने में मिला लिया था और पार्टी के कामकाज पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी. कैंडिडेट चुनने से लेकर सोशल मीडिया कैंपेन तक भाजपा ने सारे निर्णय लिए और जेडीयू ने पालन किया. इसे देखते हुए जदयू और बीजेपी में विलय की अटकले भी सामने आई, हालांकि ऐसा अधिकृत विलय नहीं हुआ, लेकिन कई लोगों का मानना है कि पॉलिटिकल तौर पर, सबमें शामिल होने का प्रोसेस पूरा हो गया है.

परिवारवाद से दूरी

तमाम विरोधाभाष के बाद भी नीतीश कुमार व्यक्तिगत ईमानदारी और साफ छबि के लिए भी जाने जाएंगे. एक ऐसा राज्य जहां आरजेडी, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) जैसी पार्टियां परिवारवाद को आगे बढ़ाती आई हैं, नीतीश कुमार इसके बिल्कुल खिलाफ रहे. हालांकि, अब निशांत के डिप्टी सीएम बनने यह उनकी इस छबि को धक्का जरूर लगने वाला है. बिहार विधानसभा से उनका जाना उस दौर का अंत है जिसे कई विश्लेषक लालू-नीतीश युग कहते हैं. लालू प्रसाद यादव के पहले ही सक्रिय राजनीति से रिटायर होने के साथ, बिहार अब एक अनिश्चित राजनीतिक बदलाव की ओर है.

मध्य क्षेत्र की डायरी

5वीं और 8वीं के पेपर लीक कैसे हुए

दिलीप झा

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल अपने कारनामे की वजह से सरकार की भारी बदनामी हो रही है. यह शर्मनाक बात है कि 17 जिलों के पेपर एक ही प्रेस छपे और यहीं से 5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा के सभी प्रश्न पत्र सेंटर तक पहुंचने से पहले लीक हो गए. मामले को तूल पकड़ता देख आनन फानन में अधिकारियों ने जांच शुरू की और कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को रिपोर्ट सौंप दी है. इसके बाद कलेक्टर ने पूरी घटना की जानकारी साइबर सेल और पुलिस अधिकारियों को दी है.

भोपाल की नवीन प्रिंटिंग प्रेस को भोपाल सहित 17 जिलों के प्रश्न पत्र छापने का काम दिया गया था. जांच अधिकारियों ने प्रिंटिंग प्रेस स्थल का दौरा कर एक आंतरिक जांच पाया कि यहां सुरक्षा के व्यापक इंतजाम नहीं थे. अब सवाल यह उठने लगे हैं कि आखिर लाखों बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की गिरफ्तारी अभी तक क्यों नहीं हुई. स्कूली शिक्षा शिक्षा की बुनियाद मानी जाती है और यहीं से गड़बड़ी होगी तो प्रदेश के बच्चों का भविष्य कितना उज्ज्वल होगा, यह बताने की जरूरत नहीं है. सूत्र बताते हैं कि स्कूली शिक्षा में जबरदस्त धांधली चल रही है. हर जिले में मेरा आदमी तेरा आदमी टाइप के डीपीसी बैठा रखे हैं जो अपनी मनमानी से लूट मचा रखी है. निजी स्कूलों के संचालकों को धमकाया जा रहा है और खुलेआम कहा जा रहा है कि पैसे नहीं दोगे तो स्कूल चलाना मुश्किल हो जाएगा. डीपीसी कहते हैं कि शिकायत कहीं भी कर लो कुछ नहीं होने वाला है. हमारी ऊपर तक पहुंच है.

सोचिए जब किसी विभाग के प्रमुख इस तरह की भाषा का प्रयोग करने लगे तो आम आदमी को समझने में देर नहीं लगती है कि शिक्षा विभाग में क्या चल रहा है. यह सिर्फ एक जिले की बात नहीं है. सूत्रों का कहना है कि प्रदेश के सभी जिलों में डीपीसी के माध्यम से लूट का घिनौना खेल चल रहा है और इस खेल में शिक्षक और बच्चे दोनों पिस रहे हैं लेकिन शिक्षा विभाग अंजान बने हुए हैं. तबादले को लेकर विभाग के पास कोई ठोस नीति नहीं है. तबादले के नाम पर कर्मचारियों से लाखों रुपए मांगे जा रहे हैं. कर्मचारी संगठन द्वारा विरोध के बावजूद शिक्षा विभाग मनमानी पर उतरा हुआ है.

बड़े निवेश दो साल में हुए कम

बड़े निवेश को लेकर आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में जो खुलासे किए गए हैं वह चौंकाने वाला है. सर्वे में बताया गया है कि पिछले दो वर्षों में मध्यप्रदेश में बड़े निवेश कम हुए हैं जबकि सरकार दावा कर रही है कि बड़े निवेश हुए हैं. आर्थिक सर्वे में बताया गया है कि 2022-23 में जहां 27 बड़े निवेश प्रस्तावों से 57 हजार 333 करोड़ का निवेश आया था, ये 2024-25 में घटकर केवल 2 हजार करोड़ रह गया है. स्थिति यह है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष के पहले 9 महीनों में सिर्फ 14 हजार करोड़ के बड़े निवेश प्रस्ताव आए हैं.

मध्यप्रदेश में वर्ष 2025 की नई निवेश नीति लागू है और इसमें सस्ती जमीन , कम बिजली दर सहित कई तरह के इंसेंटिव दिए गए हैं. इसमें बिजली पानी और स्टाम्प ड्यूटी की दरों में 100 प्रतिशत तक की छूट जैसे इंसेंटिव शामिल हैं लेकिन इसके बावजूद उद्योगपति यहां निवेश करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे तो सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए.

रेरा की अनुमति बिना निर्माण की स्वीकृति कैसे

पीएम आवास योजना का प्रोजेक्ट नगर निगम के प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के कारण धीमी गति से चल रहा है. कोई पूछने वाला नहीं है कि जिस प्रोजेक्ट को डेढ़ साल में पूरा करना था वह ढाई साल बाद भी अधूरा कैसे है. अरेड़ी ग्राम पंचायत में नगर निगम की ओर से पीएम आवास योजना प्रोजेक्ट की शुरुआत जनवरी 2023 में की गई थी. इसमें 130 कुल आवास बनाए जाने हैं, जिनमें 56 और 74 डुप्लैक्स हैं. यहां फ्लैट और डुप्लैक्स का निर्माण जुलाई 2025 तक पूरा हो जाना था. हैरानी की बात यह है कि करोड़ों के इस प्रोजेक्ट का निर्माण रेरा की अनुमति के बिना ही जारी रहा. जबकि बिना रेरा पंजीयन के प्रोजेक्ट चलाना गंभीर प्रशासनिक चूक माना जाता है. अब जब प्रोजेक्ट पर सवाल उठे तो जनवरी 2026 में नगर निगम के अधिकारियों ने आनन-फानन में आवासों के निर्माण के लिए रेरा परमिशन के लिए दस्तावेज जमा किए हैं. रखे हैं जो अपनी मनमानी से लूट मचा रखी है. निजी स्कूलों के संचालकों को धमकाया जा रहा है और खुलेआम कहा जा रहा है कि पैसे नहीं दोगे तो स्कूल चलाना मुश्किल हो जाएगा. डीपीसी कहते हैं कि शिकायत कहीं भी कर लो कुछ नहीं होने वाला है. हमारी ऊपर तक पहुंच है. सोचिए जब किसी विभाग के जिला अधिकारी इस तरह की भाषा का प्रयोग करने लगे तो आम आदमी को समझने में देर नहीं लगती है कि शिक्षा विभाग में क्या चल रहा है. यह सिर्फ एक जिले की बात नहीं है. सूत्रों का कहना है कि प्रदेश के सभी जिलों में डीपीसी के माध्यम से लूट का घिनौना खेल चल रहा है और इस खेल में शिक्षक और बच्चे दोनों पिस रहे हैं लेकिन शिक्षा विभाग अंजान बने हुए हैं. तबादले को लेकर विभाग के पास कोई ठोस नीति नहीं है. तबादले के नाम पर कर्मचारियों से लाखों रुपए मांगे जा रहे हैं. कर्मचारी संगठन द्वारा विरोध के बावजूद शिक्षा विभाग मनमानी पर उतरा हुआ है.

ट्रंप ने पूरी दुनिया को मुसीबत में डाल दिया

अपने बेतुके व बिना सोचे समझे किये गए फैसलों से ट्रंप ने पहले टैरिफ युद्ध से और अब ईरान पर बेमकसद का युद्ध थोपकर पूरी दुनिया को परेशानी में डाल दिया है. अगर आज युद्ध बंद हो जाये तो भी दुनिया को पटरी पर आने में कम से कम दस साल का समय लगेगा. ट्रंप भरोसे के लायक व्यक्ति नहीं हैं. उनका दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव अभियान इस वायदे पर आधारित था कि वह अमेरिका को दूसरों के युद्ध में नहीं झोंकेंगे. इस वायदे का क्या हुआ, सबके सामने है, इसलिए अब अमेरिका में उनके अपने ही कट्टर समर्थक उनका विरोध कर रहे हैं और युद्ध को तुरंत बंद करने का दबाव डाल रहे हैं. पिछले साल जून में अमेरिका व ईरान के बीच समझौता वार्ता चल रही थी क्योंकि ट्रंप ने बराक ओबामा और तेहरान के बीच जो परमाणु समझौता हुआ था, उसे रद्द कर दिया था. वार्ता के बीच ही ट्रंप ने ईरान पर हमला करके, 12 दिन के युद्ध के बाद दावा किया कि ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता को उसने इतनी बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया है कि वह वर्षों तक परमाणु बम बनाने की सोच भी नहीं सकता. इसके बावजूद इस साल एक बार फिर अमेरिका व ईरान में समझौता वार्ता आरंभ हुई, दोनों पक्ष दावा कर रहे थे कि वार्ता एकदम सही दिशा में जा रही है और एक या दो दिन में समझौता हो जायेगा, लेकिन 28 फरवरी की सुबह अमेरिका व इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया और उसके सुप्रीम लीडर अली खेमेनई की हत्या कर दी. ट्रंप बहुत जल्द दूसरों की बातों में आ जाते हैं. अभी हाल ही में न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी, जिन्हें ट्रंप सोशलिस्ट डेमोक्रेट होने की वजह से जरा पसंद नहीं करते, ने वाइट हाउस जाकर ट्रंप से न्यूयॉर्क में 12,000 नये मकान बनवाने के प्रस्ताव पर मंजूरी हासिल कर ली. जब ममदानी से पत्रकारों ने मालूम किया कि उन्होंने इस असंभव प्रतीत होने वाले काम को कैसे मुमकिन कर लिया; क्योंकि ट्रंप ने तो कहा था कि अगर न्यूयॉर्क की जनता ममदानी को अपना मेयर चुनती है तो वह न्यूयॉर्क के लिए एक पैसा भी रिलीज नहीं करेंगे, तो ममदानी का जवाब था कि ट्रंप के अहंकार को संतुष्ट करके कुछ भी काम कराया जा सकता है. इस पृष्ठभूमि में नेतन्याहू की पिछले एक साल में सात बार वाइट हाउस की यात्रा के उद्देश्य को बाखूबी समझा जा सकता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

युद्ध की चुकानी पड़ रही कीमत खिलाड़ियों पर आई मुसीबत

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, जब युद्ध छिड़ता है तो खेल पर भी बुरा असर पड़ता है. खिलाड़ी कहीं अटक कर रह जाते हैं या टूर्नामेंट में भाग लेने से वंचित रह जाते हैं. द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान न तो ओलंपिक हो पाया था, न क्रिकेट के टेस्ट मैच हो पाए थे.'

हमने कहा, 'अभी की बात कीजिए. क्रिकेट, टेनिस, फुटबाल सभी खेलों पर आंच आ गई है. अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले की वजह से मध्यपूर्व में संकट छा गया है. ईरान भी बौखलाहट में खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है जहां अमेरिका के सैनिक अड्डे हैं. ऐसे माहौल में बड़े-बड़े प्लेयर मजबूर होकर रह गए हैं. भारत की नामी बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू दुबई के होटल में अटक गई हैं. विमानसेवा रद्द होने से वह ऑल इंग्लैंड मुकाबले में भाग नहीं ले पाएंगी.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, टी-20 वर्ल्ड कप में बाहर हो चुकी जिम्बाब्वे की क्रिकेट टीम भी भारत में अटकी हुई है. वह स्वदेश वापस नहीं लौट पा रही है. इंग्लैंड

और वेस्ट इंडीज की क्रिकेट टीमों को पैसिफिक होकर लौटना पड़ेगा. उन्हें लंबा चक्कर पड़ेगा. द. अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों के सामने भी मुसीबत है कि वापस कैसे जाएंगे? मिसाइलों की मार और ड्रोन के संहार ने खेल भावना को तार-तार करके रख दिया है. खेल में होने वाली स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को लड़ाई की ललकार और बढ़ते नरसंहार ने रौंद कर रख दिया है. दुबई ओपन में जीतनेवाले मेदेवदेव भी एयर स्पेस बंद किए जाने की वजह से फंस गए और अपने देश वापस जाने में असमर्थ हैं.'

हमने कहा, 'यदि दुनिया में सबसे ज्यादा खेले जानेवाले फुटबाल की बात करें तो उस पर भी युद्ध की काली छाया ने ग्रहण लगा दिया है. पर्शियन गल्फ प्रो-लीग मैचों को टाल दिया गया है. कतर स्टारलीग के मैच भी टल गए हैं. दोहा और दुबई में होनेवाले मुकाबले स्थगित हो गए. यूरोपियन चैम्पियनशिप विजेता स्पेन और कोपा अमेरिका विजेता अर्जेंटीना के बीच 27 मार्च को मैच दोहा में हो पाएगा या नहीं? अनिश्चितता बनी हुई है. इसमें मेस्सी और लैमाइन यमल के बीच तगड़ा मुकाबला देखने के लिए खेलप्रेमी उत्सुक हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज जब गोलाबारुद का खूनी खेल चल रहा हो तो मैदानी खेल कहां से होंगे!'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12190 - डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1. वह पुत्र या दस्तावेज जिसमें लिखित रूप में कोई प्रतिज्ञा की गई हो, इकरारनामा, शर्तनामा 4. ऊंचा, उन्नत, श्रेष्ठ 5. कुत्ते का नर बच्चा 6. अनुचित, नामुनासिब (उर्दू) 7. लगातार, निरंतर, सर्वदा 9. बताना, समझाना 11. पुरुष जाति का 12. कपड़े बुनने वाला 13. हिलोर, तरंग 14. सरस्वती, एक प्रकार की वीणा 17. किसी वस्तु या व्यक्ति का बोध कराने वाला शब्द, संज्ञा, कीर्ति 18. प्रत्येक, छीनने या हरण करने वाला 19. कैकई की दासी जो कुबड़ी थी 21. दबाव 22. खूबसूरती, शोभा (उर्दू) 23.वसंत ऋतु में काटी जाने वाली फसल

ऊपर से नीचे

1. परिहास, दिल्लगी, हास्य रस प्रधान एक रूपक (सं.) 2. जताया हुआ, सूचित (सं.) 3. किवाड़-तराजू आदि के दो हिस्सों में से एक, दामन 4. प्रकाश 6. शीघ्रता से, बिना सोचे समझे (उर्दू) 8. बहने वाला, द्रव 9. आपत्ति, दुख, भूत-प्रेत (उर्दू) 10. प्रसिद्ध नामी 12. जुड़ना 15. राह दिखाने वाला (उर्दू) 16. जोश, सुखदायक मनोवेग 20. सहमत, रजामंद (उर्दू)

Solution 12189

सा	फ	बा	त	■	ब	क	ना
ल	ट	■	प	लं	ग	पो	श
न	का	र	ना	■	रा	त	■
■	र	वा	■	म	ना	■	ब
ज	ना	न	खा	ना	■	■	हु
खी	■	गी	■	ब	ह	श	त
रा	ई	■	ज	न	म	त	■
■	द	ख	ल	■	■	क	र्ज

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ मेंशिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, आकस्मिक धन लाभ का योग है, वर्ष के मध्य में व्यापार में लाभ प्राप्त होगा, शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा, वर्ष के अन्त में शारीरिक कष्ट होगा, मित्रों से व्यर्थ विवाद होगा, स्थानान्तरण का योग है, मानसिक तनाव में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ में मित्रों का विवाद हो सकता है, कर्क राशि के व्यक्तियों का शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को आकस्मिक धन प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मानसिक तनाव रह सकता है, स्थान परिवर्तन का योग है, सिंह राशि के व्यक्तियों को राजकीय सहयोग मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होगा.

मेष- कार्य क्षेत्र में समझौता करना लाभदायक रहेगा. विवादित मामले सुलझने के आसार हैं. सुख, सम्मान, प्रतिष्ठा बढेगी. दुविधा दूर होगी.

वृषभ- प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं, सहयोगी आपकी मेहनत का लाभ उठायेंगे. धार्मिक कार्य की रूपरेखा बनेगी. मित्रों की मदद करेंगे.

मिथुन- पारिवारिक मित्रों से मुलाकात सुखद रहेगी. वैभव के सामान पर खर्च होगा. वाहन चलाने में सावधानी रखें. लापरवाही से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है.

कर्क- रूखे व्यवहार से मित्र वर्ग नाराज हो सकते हैं. वाणीं पर संयम रखना आवश्यक है. उच्च अध्ययन एवं अध्यापन का योग है. कामकाज में व्यस्तता रहेगी.

सिंह- आय के साधनों में वृद्धि होगी. किसी नये कार्य की योजना बनेगी. जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसानदायक हो सकता है.

कन्या- कानूनी मामले में आपका पक्ष मजबूत होगा. अनुभव का लाभ मिलेगा. पारिवारिक कार्यों में समय का ध्यान रखकर कार्य करना लाभदायक रहेगा.

तुला- धीमी गति से चल रही योजनाओं पर ध्यान दें. दौड़धूप अधिक होगी. लाभ मिलेगा. नवीन योजना बनेगी. कामकाज बनने से प्रसन्नता होगी.

वृश्चिक- सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होकर खुशी मिलेगी. पूज्य व्यक्ति की सलाह लाभदायक रहेगी. महत्वपूर्ण कार्यों की रूपरेखा बन सकती है.

धनु- आपके साहस एवं पराक्रम में वृद्धि होगी. कामकाज कल पर न टालें. किसी पर अधिक भरोसा करना हानिकारक रहेगा. धार्मिक कार्य बनेगा.

मकर- कारोबारी विस्तार की संभावना है. प्रापर्टी के कार्योंमें सावधानी रखें. किसी अजनबी से मुलाकात लाभदायक सिद्ध होगी.

कुम्भ- विपरीत स्थिति को अपने लिये अनुकूल बना लेंगे. विद्या के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आर्थिक एवं व्यापारिक कामकाज होगा. पारिवारिक यात्रा होगी.

मीन- सामूहिक कार्यों में सबकी सलाह लेकर आगे बढ़ें. विरोधी वर्ग उग्र रूप धारण कर सकते हैं. लाभदायक काम बनने का योग है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वास्थ्य सुन्दर, एवं अच्छे विचारों का होगा. शरीर से दुबला पतला फुर्तीला होगा. स्वास्थ्य ठीक रहेगा. बचपन में निमोनिया आदि से तकलीफ होगी. किसी विशेष कला का ज्ञाता होगा. भाग्योन्नति जन्म स्थान से दूर होगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

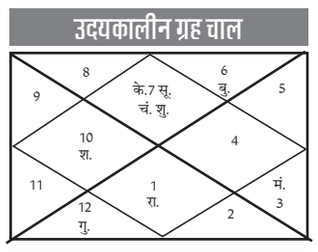

पंचांग

रा.मि. 16 संवत् 2082 चैत्र कृष्ण चतुर्थी शनिवासरे शाम 6/29, चित्रा नक्षत्रे दिन 10/44, वृद्धि योगे प्रात: 6/35, बालव करणे सू.उ. 6/11, सू.अ. 5/49, चन्द्रचार तुला, शु.रा. 7, 9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

व्यापार भविष्य

चैत्र कृष्ण चतुर्थी को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, अरंडी, बिनोला, मूँगफली, घी तेल के भाव में तेजी होगी. रूई, कपास, सूत, व लकड़ी से बनी वस्तुओं में तेजी का रूख रहेगा. भाग्यांक 4221 है.

SUDOKU 7322

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7321

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5